दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक–30

नोटः– किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्न–1 आचार्य शुक्ल द्वारा प्रतिपादित हिन्दी साहित्य के काल विभाजन को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न–2 आदिकाल के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न–3 'भक्ति काल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग है।' कथन की सम्यक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–4 निगुर्ण भक्ति धारा की प्रमुख विशेषतायें लिखिए।

प्रश्न–5 रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–6 गद्य के विकास क्रम में द्विवेदी युग की भूमिका का निर्धारण कीजिए।

प्रश्न–7 छायावाद अथवा प्रयोगवाद को समझाइये।

प्रश्न–8 हिन्दी आलोचना के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

प्रयोजन मूलक हिन्दी

पूर्णांक–30

नोटः– किन्ही पाँच प्रश्नों को हल कीजिए।

प्रश्न–1 हिन्दी की प्रयोजनीयता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–2 पत्र क्या हैं? पत्रों के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–3 हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

प्रश्न–4 कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली एवं विविध अंगों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–5 पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते है। सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न–6 पृष्ठ सज्जा से आप क्या जानते हो? समझाइये।

प्रश्न–7 डाटा प्रोसेसिंग क्या है? समझाइये।

प्रश्न–8 पारिभाषिक शब्दावली को सोदाहरण समझाइये।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक–30

नोटः– किन्ही पाच प्रश्न हल कीजिए। सभी के अंक समान है

प्रश्न–1 काव्य प्रयोजन से आप क्या समझते हैं? समझाइये।

प्रश्न–2 साधारणीकरण क्या है? सोदाहरण समझाइये

प्रश्न–3 वक्रोक्ति सिद्धान्त की सोदाहरण व्याकरण कीजिए।

प्रश्न–4 औचित्य सिद्धान्त से आप क्या समझते है?

प्रश्न–5 सिद्ध कीजिए कि रस ही काव्य की आत्मा है।

प्रश्न–6 अनुकरण सिद्धान्त से आप क्या समझते है? समझाइये।

प्रश्न–7 मनोविश्लेषणवाद पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

प्रश्न–8 क्रोचे के अभिव्यंनावाद को स्पष्ट कीजिए।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक–30

नोटः– किन्ही पाच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान है।

प्रश्न–1 रासो काव्य परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान निधारित कीजिए।

प्रश्न–2 विघापति भक्त कवि है या श्रृंगारी? सप्रमाण विवेचना कीजिए।

प्रश्न–3 कबीर एक सच्चे समाज सुधारक भक्तकवि थे। कथन की सतर्क समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–4 सूरदास वात्सल्य के साथ–साथ विप्रलम्म श्रृंगार के भी कुशल चितेरे है– विवेचना सहित प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न–5 तुलसी के समन्वयवार पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

प्रश्न–6 बिहारी ने 'गागर में सागर भरा है सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–7 घनानन्द का विरह स्वानुभूति जन्य है। सतर्क विवेचना कीजिए।

प्रश्न–8 नागमति का विरह वर्णन कीजिए।